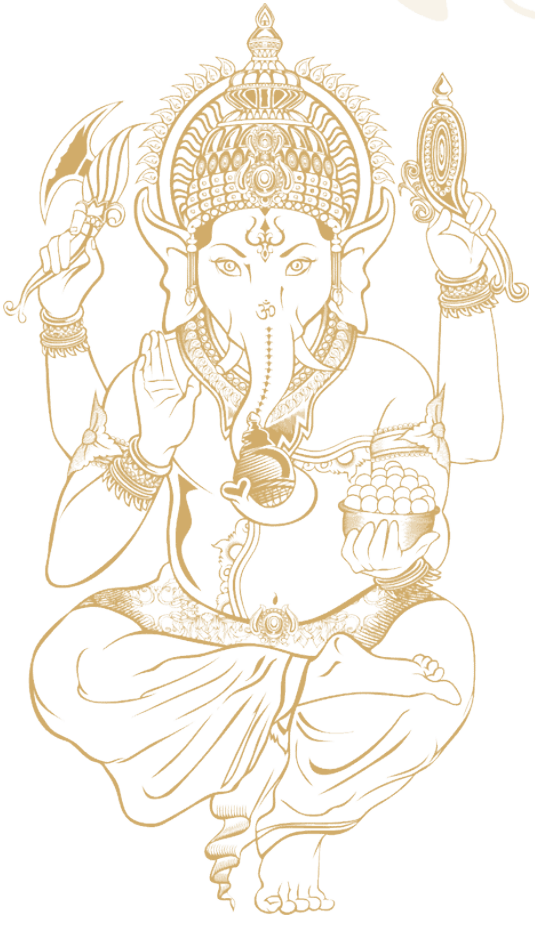

Prince kumar

18 Mar 2026

03:58 PM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121635302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/03/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**15:58:00 घंटे**
इष्ट	25:05:24 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:08:48 घंटे
वेलान्तर	-00:08:05 घंटे
साम्पातिक काल	03:52:48 घंटे
सूर्योदय	05:55:50 घंटे
सूर्यास्त	17:59:11 घंटे
दिनमान	12:03:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	03:36:28 मीन
लग्न के अंश	07:16:31 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुभ
करण	चतुष्पाद
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सो-सोमनाथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	07:16:31	319:37:12	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	---
सूर्य			मीन	03:36:28	00:59:43	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	25:36:16	13:46:11	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	18:15:03	00:47:12	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
बुध	व		कुंभ	14:33:09	00:14:37	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
गुरु			मिथु	20:56:55	00:01:25	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	20:39:40	01:14:21	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:37:52	00:07:28	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:45:14	00:00:42	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:45:14	00:00:42	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:00:09	00:02:06	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:27:57	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:44:04	00:01:18	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	06:08:33	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

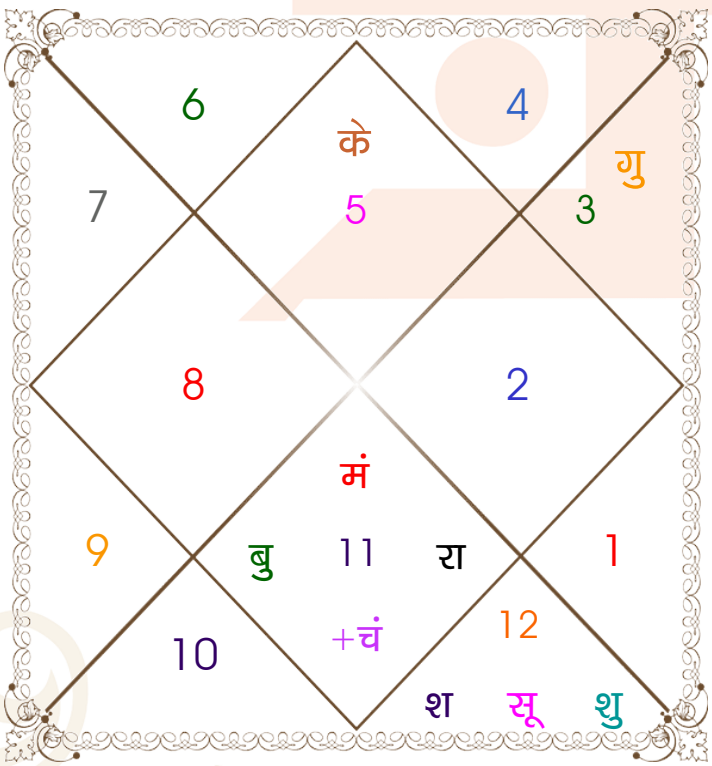

चन्द्र कुंडली

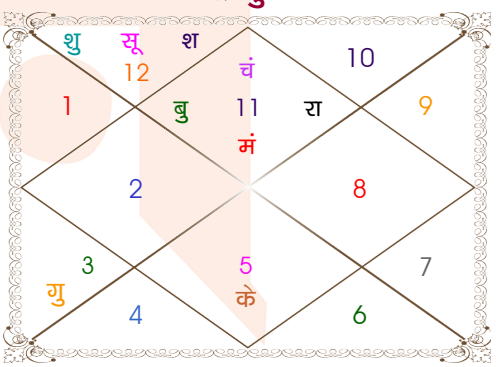

नवमांश कुंडली

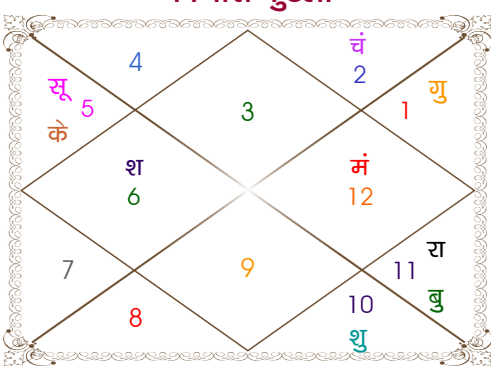

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 9 वर्ष 3 मास 8 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/03/2026		27/06/2035		26/06/2054		27/06/2071		26/06/2078	
27/06/2035		26/06/2054		27/06/2071		26/06/2078		26/06/2098	
	00/00/0000	शनि	29/06/2038	बुध	22/11/2056	केतु	23/11/2071	शुक्र	26/10/2081
	18/03/2026	बुध	09/03/2041	केतु	19/11/2057	शुक्र	22/01/2073	सूर्य	26/10/2082
बुध	02/06/2026	केतु	17/04/2042	शुक्र	19/09/2060	सूर्य	30/05/2073	चंद्र	26/06/2084
केतु	09/05/2027	शुक्र	17/06/2045	सूर्य	27/07/2061	चंद्र	29/12/2073	मंगल	26/08/2085
शुक्र	07/01/2030	सूर्य	30/05/2046	चंद्र	26/12/2062	मंगल	27/05/2074	राहु	26/08/2088
सूर्य	26/10/2030	चंद्र	29/12/2047	मंगल	23/12/2063	राहु	15/06/2075	गुरु	27/04/2091
चंद्र	25/02/2032	मंगल	06/02/2049	राहु	12/07/2066	गुरु	20/05/2076	शनि	26/06/2094
मंगल	31/01/2033	राहु	14/12/2051	गुरु	17/10/2068	शनि	29/06/2077	बुध	26/04/2097
राहु	27/06/2035	गुरु	26/06/2054	शनि	27/06/2071	बुध	26/06/2078	केतु	26/06/2098

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
26/06/2098		27/06/2104		27/06/2114		27/06/2121		28/06/2139	
27/06/2104		27/06/2114		27/06/2121		28/06/2139		00/00/0000	
सूर्य	14/10/2098	चंद्र	27/04/2105	मंगल	24/11/2114	राहु	09/03/2124	गुरु	15/08/2141
चंद्र	15/04/2099	मंगल	26/11/2105	राहु	12/12/2115	गुरु	03/08/2126	शनि	26/02/2144
मंगल	20/08/2099	राहु	28/05/2107	गुरु	17/11/2116	शनि	09/06/2129	बुध	19/03/2146
राहु	15/07/2100	गुरु	26/09/2108	शनि	27/12/2117	बुध	27/12/2131		00/00/0000
गुरु	03/05/2101	शनि	28/04/2110	बुध	24/12/2118	केतु	14/01/2133		00/00/0000
शनि	15/04/2102	बुध	27/09/2111	केतु	22/05/2119	शुक्र	15/01/2136		00/00/0000
बुध	20/02/2103	केतु	27/04/2112	शुक्र	21/07/2120	सूर्य	08/12/2136		00/00/0000
केतु	28/06/2103	शुक्र	27/12/2113	सूर्य	26/11/2120	चंद्र	09/06/2138		00/00/0000
शुक्र	27/06/2104	सूर्य	27/06/2114	चंद्र	27/06/2121	मंगल	28/06/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 9 वर्ष 2 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।